



Mr.yash



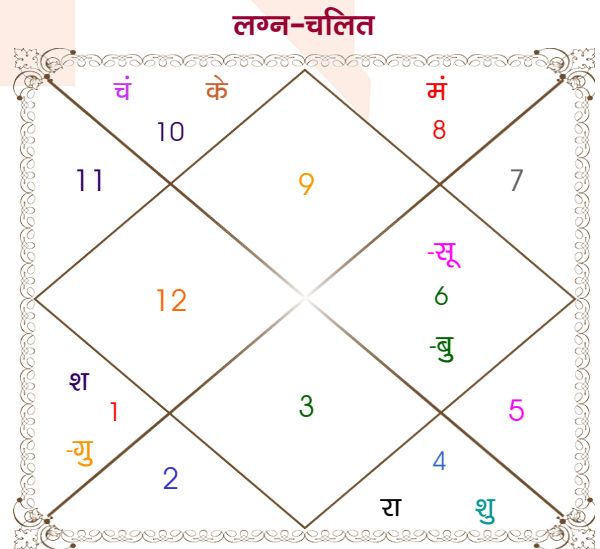
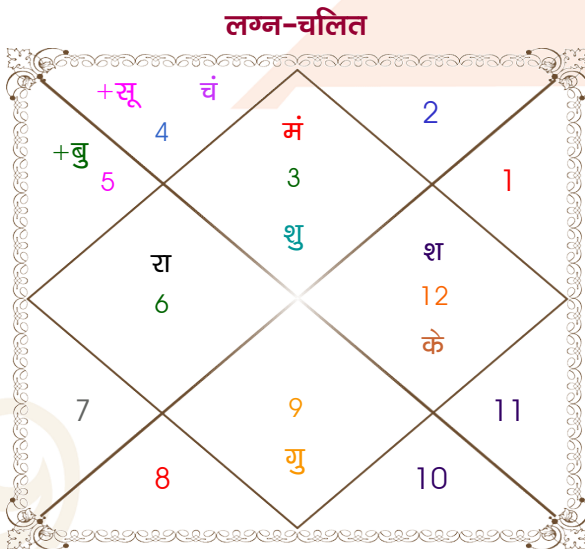
ms.sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119900304

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 12-13/08/1996 : _____ जन्म तिथि _____ 21/09/1999
 सोम-मंगलवार : _____ दिन _____ मंगलवार
 घंटे 02:35:00 : _____ जन्म समय _____ 14:15:00 घंटे
 घटी 51:35:34 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 20:01:13 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Jaipur : _____ स्थान _____ Jaipur
 26:53:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 26:53:00 उत्तर
 75:50:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 75:50:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:26:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:26:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:56:46 : _____ सूर्योदय _____ 06:14:30
 19:05:11 : _____ सूर्यास्त _____ 18:24:56
 23:48:40 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:50:58

विंशोत्तरी शनि 8वर्ष 2मा 2दि केतु	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 7वर्ष 4मा 14दि राहु
15/10/2021	11:57:51	मिथु	लग्न	धनु	19:34:59	04/02/2014
15/10/2028	26:35:47	कर्क	सूर्य	कन्या	04:04:55	04/02/2032
केतु	10:55:51	कर्क	चंद्र	मक	13:30:08	राहु
13/03/2022	18:14:16	मिथु	मंगल	वृश्चि	18:12:22	17/10/2016
शुक्र	22:27:29	सिंह	बुध	कन्या	14:26:19	गुरु
14/05/2023	14:44:40	धनु व	गुरु व	मेष	09:55:24	13/03/2019
सूर्य	11:04:53	मिथु	शुक्र	कर्क	26:53:11	शनि
18/09/2023	13:04:17	मीन व	शनि व	मेष	22:53:43	17/01/2022
चन्द्र	15:15:14	कन्या व	राहु	कर्क	18:17:02	बुध
18/04/2024	15:15:14	मीन व	केतु	मक	18:17:02	05/08/2024
मंगल	08:04:07	मक व	हर्ष व	मक	19:25:16	केतु
15/09/2024	01:53:59	मक व	नेप व	मक	07:52:40	24/08/2025
राहु	06:31:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:11:34	शुक्र
03/10/2025						23/08/2028
गुरु						सूर्य
09/09/2026						18/07/2029
शनि						चन्द्र
19/10/2027						17/01/2031
बुध						मंगल
15/10/2028						04/02/2032



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	वानर	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

Mr.yash का वर्ग मेष है तथा उर्णैप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.yash और उर्णैप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.yash मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

उर्णैप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल उर्णैप कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।

विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल उर्णैप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr.yash तथा उर्णैप में मंगलीक मिलान ठीक है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com